डायोरामा | कोपभवन | १०' x १५'x ८'

कोपभवन में अस्त–व्यस्त अवस्था में कैकेयी ने क्रोध भरी वाणी में राजा दशरथ से कहा – ''मुझे दिए दोनों वरों का अविलंब पालन करें। राम को चौदह साल वनवास भेजें व भरत को राज्य सौपें।'' सुनते ही दशरथ मूर्छित हुए। आशीष पाने आए राम ने स्थिति संभाली। भरत के लिए राज्य छोड़ा व स्वयं वनवास गमन के लिए तत्पर हुए।

In Kopbhavan, a dishevelled Kaikeyi bellowed, "Fulfill both your promises! Send Ram into exile for fourteen years, and enthrone Bharat immediately." Raja Dashratha was devastated. Ram, who arrived at the palace to seek his father's blessings, realised the gravity of the situation. He immediately offered the kingdom to Bharat and gladly set out for his exile in the forest.